



विल्किंसन स्वॉर्ड: घर की बदली

इंसानियत अक्सर भूल जाती है कि जो पहली कंपनी कभी बनी, वह परिवार थी।

कारोबार चलाने के लिए बस कुछ ही बुनियादी चीज़ें चाहिए: पैसा, जो अक्सर औरतों के हाथ में ज़्यादा महफूज़ रहता है; एक पिता की सहज समझ; और बच्चे, उस प्यार की पैदावार जो या तो सोच-समझकर प्लान किया गया था या बस जुनून, आवेग और इंसानी चूक का नतीजा था।

जब मैं विल्किंसन स्वॉर्ड को देखता हूँ, उसकी स्थापना से लेकर उन मालिकों की लंबी फ़ेहरिस्त तक जिनके क़ब्ज़े में वह तब से रही है, तो यह सोचे बिना नहीं रह पाता कि इसमें क़दम-दर-क़दम बढ़ता एक ढर्रा है।

जो चीज़ काम नहीं कर रही थी, उसे कभी सचमुच सुधारा नहीं गया।

उसे बस पैसों के पहाड़ों से ढक दिया गया।

और पैसा, जैसा हम सब जानते हैं, बकवास ढकने में लाजवाब है।

1891–1973

द विल्किंसन स्वॉर्ड कंपनी।

असली कंपनी यही थी।

बयासी साल की सच्ची ज़िंदगी, इतिहास, नवाचार, क्रिस्सागोई, और वह ख़ास अंग्रेज़ी संयम जो आज भी उसे बहुत-से कारोबारों के लिए मिसाल बनाता है।

1973–1978

1978–1989

1989–1992

1992–2000

2000–2003

2003–2015

2015–आज — एजवेल पर्सनल केयर

जो बचा है, वह एक कुलीन मौसी हैं, जिन्होंने कई घर बदले हैं और कई कमरों में सोई हैं।

उन्हें खरीदा गया, बेचा गया, विरासत में पाया गया, नए सिरे से संगठित किया गया, और एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाया गया।

फिर भी अपना खुद का उन्होंने बहुत कम रचा है।

वे वहीं खड़ी हैं जहाँ हमेशा खड़ी थीं, करीब तीन अरब डॉलर के सालाना कारोबार और उस साख के साथ जो ज्यादातर पिछली पीढ़ियों ने बनाई थी।

और इस तरह वे 1980 के दशक की एक पुरानी मार्केटिंग चाल पर लौट आए।

वही उत्पाद।

वही ब्लेड।

वही कंपनी।

बाज़ार के हिसाब से अलग-अलग नाम।

यूरोप में विल्किंसन।

उत्तरी अमरीका, एशिया और रूस में शिक।

मौसी विल्किंसन ने खानदान की चाँदी अपने पास रखी।

वे बस दूसरे घर में चली गईं।

आज तक पता कई बार बदल चुका है।

लेडी नहीं बदलीं।

स्वागत है
फर्दिनांदो